बरेली, शुक्रवार
17 जुलाई, 2026
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 18+4=22

दैनिक जागरण

PAGE NO : IV MIDDLE

मेहनत पूरी होती है और पूरा दाम नहीं मिलता...

रिद्धिमा में प्रस्तुति देते कवि • सौ. आयोजक

बरेली: एसआरएमएस रिद्धिमा में गुरुवार शाम कवि सम्मेलन 'साहित्य सरिता' आयोजित हुआ। कवयित्री आकांक्षा गुप्ता ने 'प्रेम ग्रंथों में कथाओं में पढ़ा, वेद मंत्रों में ऋचाओं में पढ़ा, लोक हित में कर्मी खुली थीं जो, तुमको उन शिव की जटाओं में पढ़ा' सुनाकर सनातन धर्म को विशेषता सामने रखी। गीतकार विकास आर्य स्वप्न ने 'मेहनत करता रहता है ज्यादा आराम नहीं मिलता, मेहनत पूरी होती है और पूरा दाम नहीं मिलता। जिसके घर का चूल्हा बस मजदूरी से जलता हो, उस दिन क्या होता है जिस दिन काम नहीं मिलता' सुनाकर श्रोताओं को झकझोर दिया। हास्य-व्यंग्य कवि पीके 'दीवाना' ने पति की ओर सज 'पत्नी चाहे तो पारिवारिक विषम परिस्थितियों में भी अपने को ढाल सकती है, और यदि अपने पे आ जाए, तो किसी तरह से भी भड़ास निकाल सकती है' सुनाकर श्रोताओं को खूब हंसाया। अभिषेक अनंत ने 'मैं गया हार तुम जीत बन कर रहीं, जिंदगी भर अमर प्रीत बन कर रहीं, गुनगुनाता रहा मैं सफर भर तुम्हें.. सुनाया व उमेश त्रिगुणायत 'अद्भुत', हिमांशु श्रोत्रिय ने भी श्रोताओं की तालियां बटोरीं। इस दौरान डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. अनुज गुप्ता, डा. शैलेश सक्सेना, अश्वनी कुमार चौहान आदि मौजूद रहे। (वि.)